

विचार मंथन

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

 www.pratahkiran.com

भारतीय आपराधिक न्याय प्रणाली के नये युग का आगाज

राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पहुंचाने वाले कृत्यों के लिए नये कानून ने आतकवादी कृत्य का ऐसी किसी भी गतिविधि के रूप में परिभाषित किया है, जो लोगों में आतंक फैलाने के इरादे से भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता या आर्थिक सुरक्षा को खतरा पहुंचाती है। पांच या उससे अधिक व्यक्तियों का समूह मिलकर नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, जन्म स्थान, भाषा, व्यक्तिगत विश्वास या किसी अन्य समान आधार पर हत्या करता है, तो ऐसे समूह के प्रत्येक सदस्य को मृत्युदंड या आजीवन कारावास की सजा दी जायेगी और जुमारा भी देना होगा। 1973 की दं प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) ने प्रक्रियात्मक कानून में महत्वपूर्ण बदलाव किये हैं।



मनाज कुमार सह

लखक वारष पत्रिका

૯

श म 30 जून, 2024 का मध्य रात्रि का ब्रिटिश हुक्मत के तीन आपराधिक कानूनों का अंत और भारतीय संसद द्वारा बनाये गये नये कानून के साथ एक जुलाई का अरुणोदय, भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में एक नये युग का आगाज है। आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में तीन नये कानून भारतीय न्याय सहिता (बीएनएस), भारतीय नापरिक सुरक्षा सहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) एक जुलाई से लागू होंगे। ये कानून क्रमशः औपनिवेशिक युग के भारतीय दंड सहिता (आईपीसी), दंड प्रक्रिया सहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। नये आपराधिक कानूनों के लागू होने के बाद एफआईआर से लेकर अदालत के नियंत्रण तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो जायेगी और भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में आधुनिक तकनीक का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाला देश बन जायेगा। यह कानून तारीख-दर-तारीख के चलन की समाप्ति सुनिश्चित करेंगे और देश में एक

एसा न्यायक प्रणाली स्थापित हांगा, जिसके जरिये तीन वर्षों के भीतर न्याय मिलना सुनिश्चित हो सकेगा। भारतीय न्याय सहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा सहिता और भारतीय सश्वत् अधिनियम, 2023 आपराधिक न्याय प्रणाली को अधिक सुलभ, जवाबदेह, भरोसेमंद और न्याय प्रेरित बनाने का प्रयास है। 600 से अधिक संसोधनों और कुछ जोड़ने एवं हटाने के साथ आपराधिक कानूनों को पारदर्शी, आधुनिक और तकनीकी तौर पर कुशल ढांचे में ढाला गया है, ताकि वे भारत की आपराधिक न्याय व्यवस्था को कमज़ोर करनेवाली ऐनेजुदा चुनौतियों से निपटने में सक्षम हों। तीनों नये आपराधिक कानूनों को वर्ष 2023 में संसद के शीतकालीन सत्र में पारित किया गया था। नये कानूनों के लागू होने के बाद पुलिस, जांच और न्यायिक व्यवस्था का चेहरा बदल जायेगा। कई तरह के मामलों में इन कानूनों का व्यापक असर पड़ेगा। नये कानूनों में पहिलाओं और बच्चों के प्रति अपराधी की जांच को प्राथमिकता दी गयी है। सूचना दर्ज होने के दो महीने के भीतर जांच पूरी होगी।

में बड़े इलेक्ट्रॉनिक रूप से समन का तामाल का ना सकेगी। इसके कानूनी प्रक्रियाओं में तेजी आयेगी। कांगड़ी कार्रवाई कम होगी और अभी संबंधित पक्षों के बीच सम्मुचित संवाद निश्चित होगा। नये कानूनों में जांच, द्रायल और अदालती कार्यवाहियों में प्रौद्योगिकी के स्तरमाल पर जारी दिया गया है। नये कानूनों में पेश किये गये कुछ ठोस संशोधन के वेल अरोपियों को दिङ्डित करने के बाया पीडितों ने न्याय देने को प्राथमिकता देकर हमारी सामूहिक चेतना को पुनः व्यवस्थित करने पर ध्यास करते हैं। पीडित, गवाह और बड़े अपानी पर जारी करते हैं। अधिकारों और भलाई की रक्षा के लिए कुछ खास जींजों जोड़ी गयी हैं और संशोधन किये गये हैं। इन तीनों कानूनों में जीरो एफआईआर, ऑनलाइन शिकायत एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से समन और सभी जघन अपराधों में घटना स्थल की अनिवार्य बींडिंगोग्राफी का प्रावधान गणित है। कोई भी व्यक्ति थाने जाये बिना घटना की ऑनलाइन शिकायत कर सकेगा। पीडित क्षेत्राधिकार की चिंता किये बिना देश क फिरी भी थाने में एफआईआर दर्ज करा

ताता है। सबूत एकत्र करने के दरान घटना
ल की अनिवार्य रूप से बीड़ियोग्राफी
यायी जायेगी, ताकि सबूतों के साथ
छाड़न की जा सके। पोइंट और आरोपी
ओं को ही एफआईआर की कॉपी, पुलिस
स्टर्ट, चार्जशीट, बयान, स्वीकारोक्ति समेत
लेले से जुड़े अन्य कायगाज 14 दिन के
हासिल करने के हकदार होंगे। मामले
बेवजह लंबा नहीं खीचा जा सके, इसकी
व्यवस्था की गयी है। कोई भी अदालत
लेले को अधिकतम दो सुनवाई तक ही
सकती है। गवाहों की सुरक्षा का भी
ताता इतनाम किया गया है। इसके लिए सभी
य सरकारों को अनिवार्य रूप से गवाह
क्षात्रों जो जना लागू करनी हों। महलाओं
व बच्चों के खिलाफ अपराधों से निपटने
लाले बीएसएस में नया अध्याय जोड़ा गया
कर्धा धाराएं और प्रावधान बदल गये हैं।
ईरीपीसी में 511 धाराएं थीं, अब 356
हीं हैं। 175 धाराएं बदल गयी हैं। आठ
जोड़ी गयीं, 22 धाराएं खत्म हो गयी
इसी तरह सीआरपीसी में 533 धाराएं
हीं हैं। 160 धाराएं बदली गयी हैं, नौ

आज से भारत में प्रभावा नए आपराधिक कानून : निरंजन कुमार

23 धाराओं को संशोधित किया गया है, पाँच हटा दी गई हैं और एक और धारा जोड़ी गई है। भारत के पूरे इतिहास में अलग-अलग शासकों के अधीन अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न आपराधिक न्याय प्रणालियाँ विकसित हुईं और देशकाल में उनका प्रभुत्व रहा। ब्रिटिश शासन के दौरान भारत में आपराधिक कानूनों को सहितबद्ध किया गया जो अभी हाल तक प्रायः अपरिवर्तित बना रहा था। और आज से लागू किया गया तीन नए आपराधिक कानून।



पटना उच्च न्यायालय



आज से आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार के लिए एक ऐतिहासिक कदम के रूप में, आज से भारत में तीन नए आपराधिक कानून लागू किया गया। अभूतपूर्व विनियामक सुधार के द्वारा से गुजर रहा है। संसद का शीतकालीन सत्र 4 दिसंबर, 2023 से 21 दिसंबर, 2023 तक आयोजित किया गया, दस बिल पेश किए गए थे और 17 को पारित किया गया था, जिसमें तीन बिल शामिल थे जो आईपीसी, सीआरपीसी और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को बदलना चाहते हैं। संसद ने तीन आपराधिक कानूनों को बदलने की मांग करने वाले बिलों को पारित किया। भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023। ये कानून क्रमशः भारतीय डंड संहिता, 1860, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 और डंड प्रक्रिया संहिता, 1973 की जगह पर प्रतिस्थापन किया गया है। 125 दिसंबर, 2023 को तीनों विधेयकों को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल गई, न्याय तीनों उस पर इन एक लेकर वर्चुअल कानून में दस उम्मीदिंजियां भारत अपराधिक के 1 अप्रैल गई हैं दिवान न्यूनता के दिवान

गई, जिससे भारत में एक नए आपराधिक न्याय पारिस्थितिकी तंत्र की नींव रखी गई। तीनों ने एक कोडों में प्रैदौरेगिकी का उपयोग उस आधार के रूप में किया गया है, जिस पर इस आधारभूत परिवर्तन का लाभ उठाया जाना है। साइबर अपराधों की शुरूआत और एक अर्झीआर के इलेक्ट्रॉनिक पंजीकरण से लेकर जब्त की गई संपत्ति की अनिवार्य वर्चुअल रिकॉर्डिंग तक, नए आपराधिक कानूनों ने नागरिकों को न्याय प्रदान करने में दक्षता, गति और समानता प्राप्त करने की उमीद में भारी तथा आपराधिक प्रणाली को डिजिटल बनाने की दिशा में काम किया है। भारतीय न्याय सहिता, 2023 में 20 नए अपराध जोड़े गए हैं और निरस्त आईपीएस के 19 प्रवाधनों को हटा दिया गया है। 33 अपराधों के लिए कारावास की सजा बढ़ा दी गई है और 83 अपराधों के लिए जुमाना बढ़ा दिया गया है। 23 अपराधों के लिए अनिवार्य न्यूनतम सजा पेश की गई है। छह अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा की सजा पेश की

है इन्हीं हैं। शरीर के विरुद्ध अपराध: बीएनएस ने दित्या, आत्महत्या के लिए उकसाना, हमला करना और गंभीर चोट पहुँचाने पर आईपीसी का प्रावधानों को बरकरार रखा है। इसमें संपर्किट अपराध, आत्मवाद और किसी ममूल द्वारा कुछ आधारों पर हत्या या गंभीर वोट पहुँचाने जैसे नए अपराध जोड़े गए हैं। महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध: बीएनएस ने बलात्कार, ताक-झांक, पीछा करने और महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने वाले और आईपीसी के प्रावधानों को बरकरार रखा है। यह सामृहित बलात्कार के मामले में निर्दित को व्यस्क के रूप में वर्णित करने की सीमा 10 से बढ़ाकर 18 वर्ष कर दिता है। संपर्क के विरुद्ध अपराध: बीएनएस ने चोरी, डकेती, सेंधमारी और धोखाधड़ी वाले आईपीसी के प्रावधान बरकरार हैं। इसमें नाइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे नए अपराध भी शामिल किए गए हैं। राज्य के विरुद्ध अपराध: बीएनएस ने राजद्रोह को अपराध की श्रेणी से हटा दिया है। इसके

न पर भारत की संप्रभुता, एकता और विंडटा को खतरे में डालने वाले कृत्यों के लिए एक नया अपराध जोड़ा गया है। जनता विश्वस्तु अपराध: बीएनएस ने पर्यावरण विषय और मानव तत्कालीन जैसे नए अपराधों जोड़ा है। आईपीसी में 23 अध्याय और 1 धाराएँ और बीएनएस में 20 अध्याय और 1 धाराएँ और धाराएँ सामिल हैं। इसकी संरचना आईपीसी के समान है। भारतीय नागरिक क्षा संहिता, 2023 भारत में मूल अपराधी के प्रशासन के लिए मुख्य कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा अधिनियम के लिए भारतीय दण्ड प्रक्रिया सहित में कई वर्तन किये गये हैं, जिनमें से निम्नलिखित विषय है। कानून को समेकित और सरल नामाना : सी आरपीसी के कई मानकों को और अधिकृत करके इसे समेकित किया गया है तथा सरल बनाया गया है। नागरिक धक्काकार सहित पूछताछ के द्वारा अभियुक्त समान वकील रखने का अधिकार, वकालांकि पूछताछ के द्वारा नहीं), और निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार जैसे सुरक्षा उपायों का प्रावधान करके अभियुक्त अधिकारों की पुष्टि करता है। बिना वारंट किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने वाला प्रत्येक पुलिस अधिकारी या अन्य व्यक्ति उसे उस अपराध का पूरा विवरण, जिसके लिए उस गिरफ्तार किया गया है, या ऐसे गिरफ्तारी अन्य आधारों के बारे में तुरंत सूचित किया जाएगा। जब किसी व्यक्ति को गिरफ्त किया जाएगा, तो गिरफ्तारी के तुरंत बोकेंद्र सरकार या राज्य सरकार की सेवा एक चिकित्सा अधिकारी द्वारा उसकी जानी की जाएगी, और यदि चिकित्सा अधिकारी उपलब्ध नहीं हो तो एक पंजीकृत चिकित्सा उद्यमी द्वारा जांच कराई जाएगी। आपराधिक न्याय प्रणाली की दक्षता में सुधार: भारतीय नागरिक अधिकार सहित विधि से संबंधित सामग्री को कम करके और कम समय आपराधिक न्याय प्रणाली की दक्षता में सुधार करना चाहता है। बीएनएस में शामिलित होने वाले किए गए कुछ प्रमुख प्रस्ताव निम्नलिखित हैं:

लिए कई त्यौहार भी हैं। वनों को समर्पित एक शुरू किए जाते हैं। देखें तो लोगों के साँस देने को वन महोत्सव के दौरान याद किया जाना रहा है। इसी कड़ी में शामिल है, प्रतिवर्ष जल



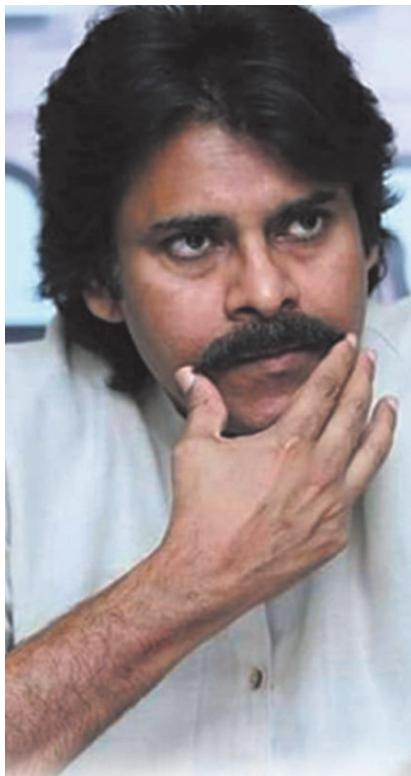
1

संजय कुमार
जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए एक, दो, सैकड़ों, हजारों, लाखों व एक करोड़ों पेड़ लगाने

ऐसा ही खास त्यौहार है वन महोत्सव दिवस या वन दिवस, जो 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को प्रेरित करना और उन्हें वन संरक्षण और पेड़ लगाने के बारे में अधिक जागरूक बनाना है। यह एक सप्ताह तक चलने वाला त्यौहार है, जिसे भारत के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग दिनों में मनाया जाता है। मूल उद्देश्य के अनुसार, भारत के प्रत्येक नागरिक से वन महोत्सव सप्ताह के दौरान एक पौधा लगाने की अपेक्षा की जाती है। एक और इसे जीवन का उत्सव बताया जाता है दूसरी ओर पेड़ों को काट दिया जाता है। वैसे वन महोत्सव परे देश में उत्सव के एक हिस्से के रूप

पेड़ों को वैश्वीकरण और शहरीकरण के लिए अब उत्तापन दिया जाता है। पेड़ों को ज्यादातर अवरोध के रूप में माना जाता है वे खनिज नमे, सड़कों, फ्लाई ओवर, फुटपाथ और ऐसों के निर्माण के रासे में आते हैं। पेड़ों की जलवायु परिवर्तन एक बास्तविकता है जैसे-ऐसे परिवर्ष में, एक ऐसे उत्सव की सख्त तरह है जिसका उद्देश्य देश में वन आवरण को करना है। लेकिन वन महोसूस और पेड़ों की अपील के बीच पेड़ों का काटा जाना बामाशा भी है और सावल भी खड़ा करता है। इसलिए साल पृथ्वी से फुटबाल के 27 मैदानों के लिए जंगल बर्बाद हो रहा है। यानी हरित क्षेत्र

आवाशयक है क्योंकि जितना पौधारोपण परित आवरण उतना बढ़ेगा। वहीं खेतों का सवाल आज भी तैर रहा है एक और टेट डेंड्रस की निदेशक आरती खेसला आलेख ह्या 200 वर्ग किलोमीटर जंगल क्षेत्र कम हो रहे, उत्तर पूर्व में सर्वाधिक क्षेत्रे का भयावह अङ्गना दिखा रही हैं तो और खनिज आदि के लिये जंगलों के बीचों के ऊपर कुलहड़ी चलती है। गंभीर चिंता में डालने वाला है। जंगल का यह बर्बाद होना। चाहे खनिज का सवाल हो तो कास का या फिर आग लगने की घटनाओं द्वारा उत्पन्न गंभीर है। तो दसरी माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित होने वाली ह्यवन महोत्सवहाँ। राष्ट्रीय वन महोत्सव, भारत सरकार द्वारा वृक्षारोपण को प्रोत्साहन देने लिए आयोजित किया जात है। सन 1960 दशक में यह पर्यावरण संरक्षण और प्राकृति परिवेश के प्रति संवेदनशीलता को अधिव्यवहार करने वाला एक आंदोलन के रूप में सामर्थ्य आया था। तत्कालीन कृषिमंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने इसका सुन्त्रपात दिया था तब से पूरे भारतवर्ष में पौधारोपण कर पर्यावरण बचाओ धरती बचाव का अलख जगाया जा रहा है वनों को विनाश से बचाने और वृक्षारोपण योजना को वन महोत्सव का नाम देकर अधिकारी



पवन कल्याण की आगामी फिल्म पर आया बड़ा अपडेट

पवन कल्याण साउथ फिल्मों के सुपरस्टार हैं। वह मुख्य रूप से तेलुगु सिनेमा में काम करते हैं। फिल्मों के अलावा वह राजनीति में भी काफी सक्रिय हैं। उनकी जनसेना पार्टी ने हाल में ही संपत्र हुए औंध प्रेसेशन विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन किया और सत्ता में काबिज हुई। इस वर्त वह आध प्रदर्शन के नावे उपर्युक्तमार्गी के रूप में कार्यरत हैं। फिल्मों की बात करें तो उनकी कई फिल्मों इस साल रिलीज की प्रस्तावित हैं। उनमें से ही एक फिल्म हरि हरी वीरा मल्ह को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

दर्शकों को शानदार अनुभव देने की है कोशिश।

पवन कल्याण की आगामी फिल्म हरि हरी वीरा मल्ह पर काफी समय से काम चल रहा है। फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसे कई मुश्किलों से जुरजना पड़ा है। अब फिल्म को लेकर नई जनकारियां सामने आई हैं। फिल्म के प्रस्तुतकर्ता प.एम. रनम दर्शकों को एक बेहद शानदार सिनेमाई अनुभव देने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज पर संशय बरकरार है, लेकिन अभिनेता के फैस उम्मीद जाता रहते हैं कि वो इस साल के अंत तक सिनेमाघरों में फिल्म देख सकेंगे।

अलग जगहों पर किया जा रहा है वीएफएक्स पर काम

हाल में ही एक इंटरव्यू में ए.एम. रनम ने फिल्म को लेकर बात की है। इस दौरान उन्होंने बताया कि कुशीपुनम बंदरगाह पर एक सीक्षण शूट किया गया है। बेहतरीन सीजीआई के लिए ईरान की एक कपनी को जिम्मेदारी दी गई है। काम बेहतर हो इसके लिए ईरान से एक व्यक्ति भारत आया है। उन्होंने बताया कि इस एपिसोड के लिए सीजीआई का काम अगले 10-15 दिनों में पूरा कर दिया जाएगा। इस इंटरव्यू में उन्होंने आगे बताया कि कुशीपुनम बंदरगाह पर शूट किया गया है, जिसके वीएफएक्स का काम अभी बंगलुरु में किया जा रहा है। इसके साथ ही चारमीनार एपिसोड के लिए वीएफएक्स का काम हैदराबाद में चल रहा है। फिल्म में होगा बाध वाला सीक्षण फिल्म में वीएफएक्स का काम की महत्व होगा। इसे लेकर ए.एम. रनम ने कहा है कि विजुअल इफेक्ट्स दर्शकों को पुराने दिनों की याद दिलाएंगे। उन्होंने कहा कि फिल्म की टीम का डेशेय है कि फिल्म पूरी तरह से बेहतर बने, इस वजह से ही फिल्म में अधिक समय भी लग रहा है। इसके अलावा रनम ने एक और मजेदार खुलासा करते हुए बताया कि फिल्म में बाध वाला एक सीक्षण भी होगा। इसके लिए कनाडा की एक कंपनी को सीजीआई का काम सौंपा गया है।

पैपराजी पर भड़की तृप्ति डिमरी!

अभिनेत्री तृप्ति डिमरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैड न्यूज़' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। तृप्ति डिमरी को 'एनिमल' फिल्म से काफी लोकप्रियता मिली। इस फिल्म से उन्हें 'भारी 2' का एक नया नाम मिला और प्रशंसकों ने उन्हें नेशनल क्रश भी घोषित कर दिया। अब 'बैड न्यूज़' के एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान पैपराजी ने उन्हें भारी कह कर बुलाया। अभिनेत्री ने मुस्कुराते हुए कहा कि वो भारी नहीं है। तृप्ति का यह रिपोर्ट सारांश में दिया गया है कि फिल्म पैपराजी पर खूब पसंद की गई। फिल्म का निर्देशन प्रशांत वर्मा ने किया है, जो अब इसका अगला भाग तकरीबन आ जाएगा। वरलक्ष्मी अब वेताहिक जीवन में कदम रखने जा रही है। उन्होंने इसी साल मार्च में बॉयफ्रेंड निकोलाई सचदेव से साझाई की। कहा जा रहा है कि वो जुलाई को उनकी शादी है।



....तो नवंबर में नहीं होगी नानी की हिट 3 की शूटिंग!

नैयुरल स्टार नानी का करियर सातवें

आसमान पर है। वो लगातार हिट

फिल्मों दे रहे हैं। ऐसे में उनके प्रत्यांसक

उनकी हर नई फिल्म का इंतजार कर

रहे हैं। इन दिनों नानी सारिपेधा

सानिवारम की शूटिंग में व्यस्त चल रहे

हैं। इसके अलावा एक और फिल्म है,

जिसकी वजह से नानी चर्चा में है और

उस फिल्म का नाम है- हिट 3।

हिट 3 का निर्देशन सैलेश कोलानु करेंगे। इस

फिल्म को लेकर तरह-तरह की खबरें चल रही हैं। जैसे- एक खबर यह चल रही थी

कि फिल्म की शूटिंग 2024 के नवंबर

महीने में शुरू हो जाएगी। अब तेलुगु

12 की एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि यह खबर

झूठी है और असल बात तो कूछ और ही है, जिसे

सुनकर आप चौंक भी सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है

कि निर्देशक सैलेश ने तो अपनी नानी को फाइनल

स्ट्रिक्ट ही नहीं सुनाई है। हिट 3 की कहानी को सुनने

के बाद ही नानी यह तय करेंगे कि फिल्म की शूटिंग

कब शुरू करीं। सारिपेधा सानिवारम की बात

करेंगे तो यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। इस फिल्म के

जिरए निर्देशक विवेक अथरवा और अभिनेत्रा नानी

एक बार पिर साथ में काम कर रहे हैं। इससे पहले

दोनों ने अंते सुंदरानिकी में साथ काम किया था। कछु

दिन पहले ही इसका पहला गाना गरम गरम रिलीज

किया गया था। इस गाने को विशाल दलानी ने गाया

है। गाने का संगीत जेक्स बिजॉय द्वारा तैयार किया

गया है। वहीं, सनपीति भारद्वाज ने गाने को लिखा है।

सारिपेधा सानिवारम में नानी के साथ-साथ प्रियका

महान भी मुख्य किरदार आदा कर रही हैं और इनके

अलावा साई कुमार और एसजे स्टार्की भी परदे पर

अहम रोल निभाते हुए दिखाई देंगे।

दुल्हन बनने की तैयारी में मन्त्रा?

बिंग बॉस 17 फेम मन्त्रा चोपड़ा

अक्षर साइरलाइट में रहती है।

अभिनेत्री अक्षर अपनी प्रोफेशनल

लाइफ के अलावा अपनी निजी

जिंदगी को लेकर चर्चा में चलती

रहती है। बिंग बॉस 17 से निकलने

के बाद मन्त्रा अपने वर्क प्रोजेक्ट्स

को लेकर काफी बिंजी रहती है।

अब हाल ही में, एक इंटरव्यू में मन्त्रा से पूछा

गया कि क्या वह शादी करना चाहती है?

अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा कि आप उन्हें

दूल्हा मिल जाएं तो वह व्हाइट स्टार्ट्स शूज में

उसे जाएंगी। यहीं नहीं, मन्त्रा दो

तरह की शादी करना चाहती है, एक बीच पर

और दूसरी प्लाज़ी स्टार्ट्स शूज में पूरे ठाठ के साथ

करना चाहती है।



फिल्मों की बढ़ती लागत पर लक्ष्मी मांचू की दो टूक, हॉलीवुड से तुलना कर दिया सुझाव

अभिनेत्री ने गिनाई हॉलीवुड की खूबियां

लक्ष्मी ने इंटरव्यू में दावा किया कि हॉलीवुड और इंटरनेशनल भी खूबियां खुद खीचते हैं और इनके विपरीत, भारत में मेकअप और बाल बनाने वाले लोगों के पास भी सहायक होते हैं। अभिनेत्री ने कहा, मुझे ऐसा लगता है, क्यों वाहिए इतने लोग। प्रत्येक अभिनेत्रा चार से पांच

पर करने के लिए कुछ नहीं होता।

मेकअप आर्टिस्ट के पास एक सहायक होता है, बाल बनाने वाले के पास एक सहायक होता है, यहां तक कि स्पॉट बॉय के पास भी एक सहायक होता है।

मुझे पर अनुराग

कश्यप की दो टूक

इस मुझे पर चर्चा करते हुए अनुराग कश्यप ने एक इंटरव्यू में कहा, लोगों को एक बाल कलाकार के रूप में काम किया है।

तमिल, तेलुगु और मलयालम सहित

बारबाडोस में रोहित ने जीत का झंडा गाड़ा

पिंच की मिट्टी चखी, विराट के गले लगकर रोए; हार्दिक को जादू की झाप्पी दी

वरेटडंजी से भारत तक का जश्न ही जश्न

बारबाडोस/नईदिली (एजेंसी)। टीम इंडिया के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने का जश्न बारबाडोस से भारत तक मनाया जा रहा है। मैच जीतने के बाद कपान रोहित अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाए। जमीन पर हाथ पटकने लगे। विराट के गले लगाकर रोए। हार्दिक पंडित को गाल चूमा और गले लगा दिया।

रोहित ने झंडा गाड़ा

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत से फहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टी-20 वर्ल्ड कप में हारित की कपानी में बारबाडोस में भारत का झंडा गाड़ा। भारतीय कपान ने मैच जीतने के बाद ऐसा ही किया और जय शाह की बात को सच साबित कर दिया। इस मौर्चे पर जय शाह भी मौजूद थे।

हार्दिक को रोहित ने दी जादू की झाप्पी

अहम मौके पर 3 विकेट लेकर मैच इंडिया के पाले में करने वाले हार्दिक पंडित भी कपान रोहित से गले मिले। रोहित ने उन्हें सोने से लगा दिया और किसी भी किया। हार्दिक की आंखों में आंसू आ गए।

अर्थदीप और विराट कोहली का भाँगड़ा

मैच के बाद पूरी टीम जमकर नाची। सेंटर ऑफ अंड्रॉक्शन रोहित कोहली और अर्थदीप का भाँगड़ा।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ का कार्यकाल खत्म, कहा- इस प्लेयर को मिस करना

ब्रिजटाउन (बारबाडोस) (एजेंसी)।

भारत के दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर दूसरी बार प्रतिष्ठित टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने के बाद राहुल द्रविड़ ने मैन इन ब्लू के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका के बारे में खुलकर बात की ओर कहा कि यह एक शानदार यात्रा ही। भारत ने बारबाडोस में टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल मैच में दक्षिण



अफ्रीका को सात रनों से हराया। इस शानदार इंटर्नेशनल मैच द्रविड़ का मैन इन ब्लू के लिए भाग्यशाली कोच के रूप में आखिरी मैच था।

मैच खत्म होने के बाद प्रत्यकारों से बात करते हुए द्रविड़ ने टी20 विश्व कप 2024 जीतने के लिए मैन इन ब्लू को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, % एक

खिलाड़ी की तीर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं था, लेकिन जब भी मैं खेला, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। मैं भाग्यशाली था कि मुझे टीम का कोच बनने का पौका मिला, मैं भाग्यशाली था कि लड़कों के इस समूह में मुझे यह ट्रॉफी जीतने में सक्षम नहाया। यह एक शनदार अंतर्राष्ट्रीय है, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि मैंने कुछ सुधार किया है, यह सिर्फ वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद है, यह एक शनदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।



रोहित-विराट गले मिलकर रोए

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद विराट और रोहित ने इस फॉर्मेट से सन्यास का एलान कर दिया है। काइनल जीतने के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा 1 मिनट तक गले मिले। दोनों को आंखों में आंसू थे। टी-20 इंटरनेशनल मैं लंबे समय तक खेलने के बाद दोनों ने इसे अलावा कह दिया है।



रोहित शर्मा के हैप्पी स्टेप्स

वर्ल्ड कप ट्रॉफी के दौरान जय शाह भी मौजूद थे। मंच पर टीम इंडिया खुश थी और कैप्टन रोहित शर्मा का इंजार कर रही थी। रोहित छोटे-छोटे हुए खुशी से भरे हुए मंच पर आए और ट्रॉफी लेकर जश्न मनाया।

रोहित शर्मा ने पिंच की मिट्टी चखी

भारतीय कपान रोहित शर्मा ने मैच जीतने के बाद प्रत्यक्ष एक खेलांश के लिए अंतर्राष्ट्रीय खेलों में आंखों में आंसू आ गए। रोहित शर्मा का टी-20 इंटरनेशनल मैं यह आखिरी मैच था।

विराट ने अनुष्का को टीडियो काँल किया

मैच जीतने के बाद विराट कोहली ने टी-20 से सन्यास ले दिया। इसके बाद विराट कोहली ने अनुष्का शर्मा को टीडियो काँल की ओर काफी देर तक बातचीज़ करते रहे।

कोच राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया



भारतीय टीम के कोच राहुल द्रविड़ 19वें शोबत में काफी एक साइर्टेंट दिखाई दिया। अपने शांत रवानावाले के लिए मशहूर द्रविड़ ने जमकर सेलीब्रेशन किया। टीम इंडिया के लिए योर्स ने राहुल द्रविड़ को कंधे पर उठा लिया। जैसे ही 20वां अंतर्राष्ट्रीय शन मनाने लगी। चंद पलों में काँच, टीम का स्टाफ मैदान में चरे आए। हर किसी ने एक-दूसरे को बधाई दी।

टोपी लोंगों से उठा लिया

मैसिराज फाइनल मैच नहीं खेले। उन्होंने सिर्फ अमेरिका में दुर्घटना में परफॉर्म किया। जीत के बाद उन्हें इंटरराष्ट्रीय के लिए बुलाया गया। इस दौरान सिराज रोपे।

टी20 विश्व कप जीतकर मालामाल हुई टीम इंडिया, इनाम में मिली 20 करोड़ से ज्यादा की राशि



दक्षिण अफ्रीका का हराकर टी-20 विश्व कप जीतने के लिए भाग्यशाली भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को पुरस्कार खर्च 20.36 करोड़ रुपए मिले। इस बार टूर्नामेंट शुरू होने से पहले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रिकार्ड पुरस्कार राशि का बजाए 93.51 करोड़ रुपए रखा था। उसी के अनुसार फाइनल में जीतने वाली भारतीय टीम को 20.36 करोड़ रुपए की राशि दी गई है। वहाँ फाइनल में हारने वाली टीम दक्षिण अफ्रीका को 10.64 करोड़ रुपए से संतोष करना पड़ा।

बुमराह तो ठीक, पर अर्थदीप को न भूलें...

गौतम गंभीर की तरह अनसंग हीरो

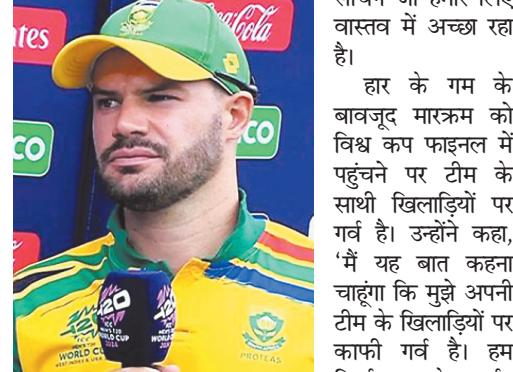
हर मुश्किल में संकटमोचन



यह दिल को झाकझोरने वाली हार है

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। टी20 विश्व कप के फाइनल में भारत के खिलाफ निराशजनक हार को दक्षिण अफ्रीका के कपान एडन मारक्रम के चुभने वाला करार देते हुए उम्मीद जीत की वज्र परशन की जावी बार टीम को बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगा। आज के लिए 176 रन की पांच गांव करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम हेनरिच ब्लासेन की 27 गेंद में 52 रन की पारी के दम पर 15वें ओवर के बाद बेहद मजबूत स्थिति में थी। टीम को आखिरी 30 गेंद में 30 रन के जरूरत थी लेकिन भारत ने शानदार जरूरत थी करते हुए सात रन की रोमांचक जीत दर्ज की।

आखिरी ओवरों में जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांडिया ने कमाल की गेंदोंवाली की जबकि सूर्यकुमार यादव ने दबाव की परिस्थिति में कमाल का कैच लिया। इससे पहले विराट कोहली ने टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में सबसे ज्यादा वाला गेंदबाजी की गेंदबाजी के बाद बेहतर करने के लिए एक खेलांश के लिए आंखों में आंसू थे। गंभीर ने 9 मैचों में 393 रन बनाए थे। वह वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। टीक कुछ दूसरी तरह से अर्थदीप सिंह का भी रोल भारत के टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में रहा है। उन्होंने टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीतना में अहम रोल निभाया है। उन्होंने टीम इंडिया को वर्ल्ड कप जीतना में अहम रोल निभाया है।



इस 29 साल के खिलाड़ी ने कहा, 'अभी किसी एक चीज को हार का कारण बताना मुश्किल है। हम अगले कुछ दिनों में, अगले कुछ हफ्तों में इस बारे में विचार करें, उन क्षेत्रों को ढूँके का प्रयास करें जिसमें हम आज के मैच के बारे में भी आंखों में आंसू हैं।' इसके बाद विराट कोहली ने दिल टूटने के बावजूद मारक्रम को फाइनल में जीतने वाली टीम को धन्यवाद करते हुए कहा, 'यह एक बहुत बड़ा खिलाड़ी बना रहा है।'

परिणाम को पचा पाना मुश्किल होगा। उन्होंने

कहा, 'हमने दुनिया भर में कई बार ऐसा करते देखा है। इस तरह के मंच पर ऐसी परीक्षा

होती है कि वह काम करना आवश्यक है। इसके बाद विराट कोहली ने दिल टूटने के बावजूद मारक्रम को फाइनल में भारत की प्रतिभा और धैर्य की सराहना करना नहीं भूला।

दक्षिण अफ्रीका के कपान ने कहा, 'यह किंतु टूटने ही नहीं है। इसके बाद मेहनत लगती है।' उन्होंने कहा, 'हम अगले कुछ दिनों में अपनी भूमिका जानता है। लेकिन इसके बाद क्या होगा?' इसके बाद विराट कोहली ने दिल टूटने के बावजूद मारक्रम को फाइनल में भारत की प्रतिभा और धैर्य की

